Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________

   (Name) _____________________________

2. (Signature) ___________________________

   (Name) _____________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

Test Booklet No.

J 6 7 1 0

Time : 2 $^1/_2$ hours] **PAPER-III** [Maximum Marks : 200

ARCHAEOLOGY

Number of Pages in this Booklet : **24** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

www.examrace.com

ARCHAEOLOGY
पुरातत्त्व विज्ञान

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

www.examrace.com

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each.

(2 × 20 = 40 marks)

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है ।

(2 × 20 = 40 अंक)

1. Highlight the diverse Neolithic cropping practices in the Indian Subcontinent.

भारतीय उपमहाद्वीप में नवपाषाणकालीन फसल पद्धतियों पर प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा

Why did the first urbanisation occur in semi-arid areas ? Explain.

प्रथम नगरीकरण अर्धशुष्क क्षेत्रों में क्यों घटित हुआ ? स्पष्ट कीजिए ।

www.examrace.com

www.examrace.com

www.examrace.com

2. Discuss the origin and antiquity of writing in India.

भारत में लेखन के उद्भव और प्राचीनता की विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

Evaluate the importance of coins as a source of history.

इतिहास के स्रोत के रूप में सिक्कों के महत्त्व का मूल्यांकन कीजिए ।

www.examrace.com

www.examrace.com

www.examrace.com

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न है । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I
विकल्प – I

3. Describe the tools and their manufacturing techniques of Upper Palaeolithic culture.
उच्च पुरापाषाणकालीन संस्कृति के उपकरणों तथा उनके निर्माण की तकनीकों का वर्णन कीजिए ।

www.examrace.com

4. Discuss the evidence of burial practices of the Mesolithic people.

मध्य पाषाणकालीन मानव की शवाधान प्रणालियों के साक्ष्यों का विवेचन कीजिए ।

5. Critically examine the dwelling tradition of the Neolithic inhabitants of Kashmir Valley.

कश्मीर घाटी के नवपाषाणकालीन लोगों की आवासीय परम्परा का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – II

विकल्प – II

3. What evidence has been brought to light about the overseas trade activities of Harappa culture ? Discuss.

हड़प्पा संस्कृति की समुद्र पार व्यापारिक गतिविधियों के क्या-क्या साक्ष्य प्रकाश में आए हैं ? विवेचना कीजिए ।

4. Throw light on the traits of late Harappan culture in Gujarat on the basis of excavations conducted so far.

अभी तक किए गए उत्खननों के आधार पर गुजरात में अवनतिकालीन हड़प्पा संस्कृति के तत्त्वों पर प्रकाश डालिए ।

5. Write a detailed note on the main features of Chalcolithic culture of Ahar.

अहाड़ की ताम्रपाषाणिक संस्कृति के प्रमुख लक्षणों पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

Elective – III

विकल्प – III

3. Examine the historical significance of Shishupalgarh excavation.

शिशुपालगढ़ उत्खनन के ऐतिहासिक महत्त्व का निरूपण कीजिए ।

4. Discuss the main features of the material culture of the Kushanas.

कुषाणों की भौतिक संस्कृति के प्रमुख तत्त्वों की विवेचना कीजिए ।

5. Discuss the main features of settlement pattern of Gupta period on the basis of excavated sites.

उत्खनित पुरास्थलों के आधार पर गुप्तकालीन अधिवास प्रणाली के मुख्य लक्षणों का विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – IV

विकल्प – IV

3. Write a note on the evolution of Gupta temples.

गुप्त मन्दिरों के विकास पर एक टिप्पणी लिखिए ।

4. Describe the characteristic features of the Orissan temples.

उड़ीसा के मन्दिरों की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

5. Discuss the main features of Pallava Rathas at Mahabalipuram.

महाबलीपुरम के पल्लव रथों की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।

www.examrace.com

OR / अथवा

Elective –V

विकल्प – V

3. Discuss in brief the theories of the origin of Brahmi script propounded by different scholars.
   विभिन्न विद्वानों द्वारा प्रतिपादित ब्राह्मी लिपि की उत्पत्ति के मतों की संक्षेप में विवेचना कीजिए ।

4. Enumerate the achievements of Kharavela on the basis of Hathigumpha inscription.
   हाथीगुम्फा अभिलेख के आधार पर खारवेल की उपलब्धियों की गणना कीजिए ।

5. Write a note on Punch-marked coins.
   आहत सिक्कों पर एक टिप्पणी लिखिए ।

www.examrace.com

www.examrace.com

www.examrace.com

www.examrace.com

www.examrace.com

www.examrace.com

SECTION – III

खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Discuss the use of remote sensing data for finding the ancient sites.
पुरास्थलों की खोज के लिए सुदूर संवेदन आँकड़ों के प्रयोग की विवेचना कीजिए ।

7. Describe in brief the method of Radiocarbon dating.
रेडियो कार्बन तिथि प्रणाली का संक्षिप्त विवरण दीजिए ।

www.examrace.com

8. Write a note on Pleistocene fauna and flora.

प्रातिनूतनकालीन जीव-जन्तुओं एवं वानस्पतिक अवशेषों पर एक टिप्पणी लिखिए ।

9. Briefly describe the salient features of Pre-Harappan village cultures of India.

भारत की प्राक् हड़प्पा ग्रामीण संस्कृतियों की प्रमुख विशेषताओं का संक्षिप्त विवरण दीजिए ।

www.examrace.com

10. Throw light on the characteristic features of Northern Black Polished Ware culture of India.

भारत की उत्तर कृष्ण मार्जित पात्र परम्परा संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

11. Mention the importance of Amaravati Stupa.

अमरावती स्तूप के महत्त्व का उल्लेख कीजिए ।

12. Discuss the main characteristic features of Nagar style of temple architecture.

मंदिर स्थापत्य की नागर शैली की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।

www.examrace.com

13. Describe the contents of the Besanagar Garuda Pillar Inscription.
बेसनगर के गरुड़ स्तम्भ लेख के वर्ण्य विषय का विवरण दीजिए ।

14. Write a note on Satavahana coins.
सातवाहन सिक्कों पर एक टिप्पणी लिखिए ।

www.examrace.com

SECTION – IV

खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

Traditionally Neolithic cultures are identified with ground stone axes in South Asia, though they are not at all necessary to begin farming. In fact, this presumed association of ground stone axes with the Neolithic is so strong that the evidence for domestication of plants and animals has been neglected. As a result, we know very little about early farming in Rajasthan and much of peninsular India.

The evidence from the Ganga valley and the Kaimur hills is also a bit confusing. To us it appears that rice cultivation could have come to South Asia much earlier than agriculture based on wheat and barley. This is because Koldihwa has given c. 7000BP dates for the levels, which have yielded rice husk on clay. Mahagara and Chopani Mando have also yielded similar evidence though there is considerable controversy both about chronology and proof of domestication. We would not be surprised if rice domestication goes back to early Holocene period in the Ganga valley.

Wild rice grows in abundance in that area and could have been collected by these early people. However, some recent work from south-western China seems to make an early beginning of rice cultivation in the Ganga valley a distinct possibility. The recent dates of rice domestication and ceramic technology go back to 15,000 BP. It has been shown by linguists that early rice technology travelled with Mon-Khmer speaking people. It seems that rice technology reached South-east Asia and the Brahmaputra valley with these people. There is some evidence of migration from the Brahmaputra valley to the Central Himalayas through Himalayan corridors. It is interesting to note that the Kumauni dialect has a strong residue of Mon-Khmer words. Of all the crops that are grown in Kumaun only rice agriculture is associated with a lot of rituals indicating its antiquity. It is quite probable that the Ganga valley received rice technology, and later on copper and iron technology, through the Central Himalayas.

परम्परया दक्षिण एशिया में नवपाषाणिक संस्कृति की पहचान घर्षित प्रस्तर कुल्हाड़ियों के आधार पर की जाती है, हालाँकि उनका कृषि के प्रारम्भ से कोई संबंध आवश्यक नहीं है । वास्तव में घर्षित प्रस्तर कुल्हाड़ी का नवपाषाणिक संस्कृति के साथ काल्पनिक संबंध की धारणा इतनी प्रबल हो चुकी है कि उससे पौधों के उपजाने और पशुपालन के समर्थक साक्ष्य उपेक्षित हो जाते हैं । परिणामत: हम राजस्थान और अधिकांश प्रायद्वीपीय भारत में प्रारम्भिक कृषि के विषय में बहुत कम ही जानते हैं ।

गंगा घाटी और कश्मीर-पहाड़ी क्षेत्र के साक्ष्य भी कुछ हद तक भ्रामक हैं । हमें ऐसा प्रतीत होता है कि दक्षिण एशिया में धान की खेती गेहूँ और जौ की खेती की अपेक्षा बहुत पहले प्रारम्भ हो गई थीं । यही कारण है कि कोलडिहवा में धान की भूसी युक्त (जली) मिट्टी के स्तर की तिथि लगभग 7000 वर्ष वर्तमान पूर्व आती है ।

www.examrace.com

महगड़ा और चोपनीमाण्डो से भी इसी प्रकार के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं, यद्यपि उनकी तिथि और पशुपालन विषयक साक्ष्यों में विचार-भेद हैं । यदि गंगा घाटी में धान की खेती की प्राचीनता प्रारम्भिक नूतन काल तक जाती है तो हमें आश्चर्य नहीं होगा ।

इस क्षेत्र में जंगली धान बहुतायत में उत्पन्न होता था जिसे प्रारम्भिक मानव ने संग्रहीत किया होगा । दक्षिण-पश्चिमी चीन के कुछ अधुनातन खोजों ने गंगा घाटी में प्रारम्भिक स्तर पर धान की खेती की सुस्पष्ट संभावनाओं को उजागर किया है । धान की खेती और मृद्‌भाण्ड तकनीक संबंधी तिथियाँ लगभग 15,000 वर्ष वर्तमान पूर्व तक जाने लगी हैं । भाषाशास्त्रियों की मान्यता है कि प्रारम्भिक धान वपन तकनीक मान-खमेर भाषी लोगों के साथ फैली । इससे स्पष्ट होता है कि धान वपन तकनीक दक्षिण-पूर्व एशिया और ब्रह्मपुत्र घाटी में इन्हीं लोगों द्वारा पहुँचाई गई । इनके ब्रह्मपुत्र घाटी से हिमालय के निचले हिस्से से होकर मध्य हिमालय में प्रव्रजन के कुछ साक्ष्य भी हैं । यह एक रोचक विषय है कि कुमाउनी लोक भाषा में मान-खमेर शब्दों के अनेक प्रयोग हैं । कुमाऊँ में जो अन्न उत्पादित किए जाते हैं उनमें केवल चावल की खेती विविध कर्मकाण्डों से संबद्ध है, जो इसकी प्राचीनता की ओर संकेत करती है । इस बात की प्रबल संभावना है कि गंगाघाटी ने मध्य हिमालय से धान कृषि तकनीक और बाद में ताम्र-लौह तकनीक प्राप्त किया ।

15. What are the identification marks of Neolithic culture ?
नवपाषाणिक संस्कृति के परिचयात्मक लक्षण क्या हैं ?

16. Which crop is assumed to be cultivated earlier than wheat and barley and why ?
गेहूँ और जौ की अपेक्षा पूर्ववर्ती समय में कौन सी फसल पैदा किए जाने की संकल्पना की जाती है और क्यों ?

www.examrace.com

17. Who were Mon-Khmer speaking people ?

मान-खमेर भाषा-भाषी लोग कौन थे ?

18. Discuss the expansion of rice agriculture technique in India.

भारत में कृषि तकनीक के प्रसरण का विवेचन कीजिए ।

19. Throw light on the transition from hunting-gathering culture to animal domesticating and agriculture cultivating culture.

आखेट और संग्रहक संस्कृति के कृषक और पशुपालक संस्कृति में संक्रमण पर प्रकाश डालिए ।

www.examrace.com

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....

www.examrace.com